तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारी[illegible] अहकाम जो [illegible] हुक्म की ता[illegible] में जारी हु[illegible]
5.7.19	पत्रावली पेश। वकील पक्षकार उपस्थित हैं। वकील पक्षकारान को सुना गया। प्रकरण में फरीकान सहमति से हद तक प्राथमिक डिक्री किया जा चुका है। प्रकरण में अस्थाई निषेधाज्ञा का कोई खास औचित्य नहीं रह जाता है। अतः प्रार्थना पत्र इसी स्तर पर खारिज शुमार होकर पत्रावली फरीकान मि0 नं. 34/18 के साथ संलग्न रहे। (छित्तरलाल मीणा) R.A.S.	

मुताबिक आदेश नकल आदेश के अनुसार आदेशों के लिये सहमत है for प्रतिलिपि प्रार्थी [illegible]

अदालत..... उ[illegible]

....

मुकदमा...........

तारीख हुक्म